क्या अब भी कोई देश में काला धन रखने, टैक्स चोरी, भ्रष्टाचार, आदि करने की हिम्मत करेगा ?

Website: zeroblackmoney.org

HONEST WITH CIN? क्या है?

यह विश्व की सर्व-प्रथम पुस्तक है जिसमें भारत में आविष्कार की गई विश्व की सर्व-प्रथम टेक्नोलॉजी है जिसके उपयोग से केवल भारत में ही नहीं बल्कि विश्व के किसी भी देश में 99.99% तक यानी जड़ से काला धन, टैक्स चोरी, भ्रष्टाचार आदि का पूर्णतया उन्मूलन एवं नियंत्रण किया जा सकता है. इसके साथ साथ धोखाधड़ी, बड़े बड़े सरकारी घोटाले, उच्च मूल्य वृद्धि, उच्च मुद्रास्फीति, बेशुमार बेफिजूल खर्चों एवं आतंकवादी आदि गतिविधियों पर कारगर रूप से लगाम लगाई जा सकती है.

यह टेक्नोलॉजी काम कैसे करती है?

यह टेक्नोलॉजी सरकार के अध्यादेश /कानून / 'HWC?-CODE' के तहत, ऑनलाइन, आर्गनाइज्ड सेक्टर में, 'HWC?-SOFTWARE' की मदद से कार्य करेगी. इसके तीन प्रमुख अंग (CIN, SBS & INFORMATION TECHNOLOGY) हैं :

1. **CIN (Citizen Identification Number) के माध्यम से देश के प्रत्येक नागरिक एवं व्यावसायिक संस्था का खाता खोला जायेगा।**

2. **SBS (SUPER BANK STATEMENT-21st CENTURY ACCOUNTING TECHNOLOGY): देश के प्रत्येक नागरिक /व्यावसायिक संस्था के CIN के अंतर्गत SBS के माध्यम से उसका समस्त लेखा-जोखा रखा जायेगा।**

इसके अंतर्गत प्रत्येक CIN में दो फार्म होंगे :

1) **SBS-FORM-A: इसके अन्तर्गत देश के आर्गनाइज्ड सेक्टर के केवल वे नागरिक एवं व्यावसायिक संस्थाये जो सरकार को टैक्स देती हैं, पूरे वर्ष का अपना समस्त लेखा-जोखा यानी खरीद-बिक्री, आय-व्यय, आदि के सम्बन्ध में मैन्युफैक्चरिंग अकाउंट, ट्रेडिंग अकाउंट, प्रॉफिट एंड लॉस अकाउंट एवं बैलेंस शीट आदि का रिकॉर्ड रखेंगी।**

2) **SBS-FORM-B:** इसमें जो डाटा आएगा यानी एंट्रियां दर्ज होंगी वह इस टेक्नोलॉजी का सॉफ्टवेयर (HWC?-SOFTWARE) प्रोसेस करेगा। इसके अंतर्गत देश के समस्त नागरिक एवं व्यावसायिक संस्थाओं का डाटा उनके सम्बंधित CIN के माध्यम से दर्ज होगा।

(SBS-FORM-B- दूसरे शब्दों में आप और हम आर्गनाइज्ड सेक्टर (Organized- Secor) में चल या अचल संपत्ति से सम्बंधित (relating to the movable and or immovable property) जो भी खरीद अथवा बिक्री करेंगे, अथवा आपकी-हमारी जो भी आमदनी अथवा खर्च, इत्यादि होगा, वह सबका सब पक्के सबूतों (With conclusive evidences) के साथ आपके एवं हमारे 'सिन' (CIN- Citizen-Identification-Number) के SBS-FORM-B में दर्ज हो जायेगा।

यदि आपकी-हमारी कोई भी आमदनी अथवा खर्च, कर चुकाई गई आय (Tax Paid Income), बचत (Savings), घोषित संपत्ति (Declared Assets), घोषित नकद धनराशि, बैंक-बैलेंस आदि से तनिक भी अधिक अथवा बाहर है तो यह सिस्टम (System) सम्बंधित नागरिक अथवा संस्था को तुरंत पकड़ लेगा. समस्त प्रकार की खरीद-बिक्री (Sale-Purchase) पर भी यही नियम लागू होगा.)

SBS-FORM-B क्या है? : यह इस टेक्नोलॉजी का सबसे, भयानक, ख़तरनाक तथा कारगर हथियार है जो 100 % रूप से कार्य करता है. यह किसी भी नागरिक को कोई शारीरिक चोट अथवा नुकसान नहीं पहुंचाता है. बल्कि एक ऐसे जाल एवं चक्रव्यूह का निर्माण करता है जिसकी पकड़ से देश का कोई नागरिक/संस्था तो क्या स्वम आविष्कारक को भी नहीं पता इसकी पकड़ से कैसे बाहर निकला जाये. अतः इसकी पकड़ से देश का कोई भी नागरिक नहीं बच सकता, चाहे वह काले धन का जमाखोर है, टैक्स चोर है. अथवा भ्रष्टाचारी। यह केवल एक भूत (GHOST) के रूप में रहता है जो चुपचाप टैक्सचोर की बगल में जाकर बैठ जाता है. और जैसे ही टैक्स चोर उसे देखता है, वह डर से थर थर कांपने लगता है और बस यही कहता है, ' भूत बाबा ! मुझसे बहुत बड़ी गलती हो गयी, बस अब बचा लो, आज के बाद अपनी जिंदगी में मैं कभी टैक्स की चोरी नहीं करूँगा' तथा इस प्रकार वह ईमानदारी से कार्य करने के लिए मजबूर हो जाता है.

SBS-Form-B का सिद्धांत क्या है?: यदि किसी प्रणाली में 10 नागरिक हैं और सभी ईमानदारी से काम कर रहे हैं, तो किसी भी समय हमेशा यह पाया जाएगा कि सभी 10 नागरिकों के प्रत्येक CIN में, SBS-Form-B में दर्ज की गई सभी एंट्रियां, SBS-Form-A में दर्ज की गई सभी एंट्रियां के साथ मिलान करेंगी और दोनों के बीच कोई अंतर नहीं होगा । लेकिन अगर किसी भी CIN में दोनों के बीच कोई अंतर है, तो यह विशेष CIN धारक बेईमान है

3. **INFORMATION TECHNOLOGY:** इसके अंतर्गत देश के प्रत्येक नागरिक/ व्यावसायिक संस्था की जन्म से लेकर मृत्यु तक उससे सम्बंधित समस्त प्रकार की सूचना (FROM A TO Z) बहुत ही सही तरीके से रखी जाती है ताकि कोई भी सूचना मात्र बटन दबाते ही प्राप्त हो जाये.

अतः देश के किसी भी नागरिक अथवा व्यावसायिक संस्था की कोई भी सूचना अब कम्प्यूटर पर मात्र बटन दबाते ही प्राप्त होगी। लेकिन कोई भी सूचना जिस व्यक्ति के बारें में मांगी जा रही है, उस व्यक्ति की इजाजत के बिना किसी को भी प्राप्त नहीं होगी. अतः जो काम अथवा फैंसले अबतक सूचना के अभाव में वर्षो में होते थे वे सब अब पलक दबाते ही पूरे होंगे।

इस टेक्नोलॉजी में देश के समस्त नागरिकों एवं व्यावसायिक संस्थाओं की पहचान एवं उनके समस्त डाटा (INFORMATION) को अत्यंत ही गुप्त रखा जाता है ताकि किसी भी नागरिक के मान सम्मान को तनिक भी चोट न पहुंचे.

इस टेक्नोलॉजी के अन्य आवश्यक तत्व निम्न हैं

A. इस टेक्नोलॉजी में देश में होने वाले प्रत्येक ट्रांजेक्शन के दोनों पक्षों को अपना अपना CIN (Citizen Identification Number) बताना क़ानूनी रूप से अति आवश्यक है.

B. यह टेक्नोलॉजी देश में केवल उन लोगों पर ही लागू होगी जो सरकार को टैक्स देते हैं, इन्हें इस टेक्नोलॉजी में 'आर्गनाइज्ड सेक्टर' में रखा गया है. यह टेक्नोलॉजी उन लोगों पर कतई लागू नहीं होगी जो सरकार को कोई भी टैक्स अदा नहीं करतें है, इन्हें इस टेक्नोलॉजी में 'नॉन-आर्गनाइज्ड सेक्टर' में रखा गया है. लेकिन इस टेक्नोलॉजी की 'निगाह' दोनों वर्गों /सेक्टर पर रहती है.

C. साधारणतया, देश के प्रत्येक नागरिक एवं व्यावसायिक संस्था को अपनी मन मर्जी के बैंक की किसी भी एक शाखा में (SAVINGS/CURRENT/OD/CC) आदि अकाउंट में से केवल एक चालू खाता रखने की इजाजत होगी. विशेष परिस्थियों एवं आवश्यकताओं को देखते हुए, सरकार किसी भी नागरिक अथवा व्यावसायिक संस्था को एक से अधिक चालू खाता रखने भी इजाजत दे सकती है.

D. पूरे देश में समस्त वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद-बिक्री की दरें मय वैट /बिक्री कर/GST आदि के साथ होगी अर्थात वैट /बिक्री कर/GST को जोड़कर होगी, न कि वैट / बिक्री कर/GST अतिरिक्त ….. जो देश का सबसे बड़ा टैक्स/आर्थिक घोटाला है। यह देश के सरकारी खजाने को टैक्स चोरी के कारण कितना जबरदस्त नुकसान पंहुचा रहा है देश का एक आम नागरिक कल्पना भी नहीं कर सकता।

E. इस टेक्नोलॉजी में **आर्गनाइज्ड सेक्टर** में समस्त वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद-बिक्री बिना **'बिल'** के बिलकुल नहीं होगी।

F. मैन्युफैक्चरिंग खाता, ट्रेडिंग खाता, लाभ और हानि खाता एवं बैलेंस शीट आदि का प्रारूप पूरे देश में सभी नागरिकों / व्यापारिक व्यावसायिक संस्थाओं के लिए एक होगा.

G. पूरे देश में पेट्रोल, डीजल, केरोसिन तेल, सीएनजी गैस अथवा एलपीजी गैस आदि खरीदने के लिए नागरिकों एवं व्यावसायिक संस्थाओ को **'मोबाइल कार्ड्स'** जारी किये जायेंगे.

H. देश के प्रत्येक क्षेत्र में अपराध करने वालों के बारें में सूचना देने के लिए **मुखबिरों** (Informers) की नियुक्तियां.

I. प्रत्येक शिकायत को **24 घंटों के भीतर निपटाने** एवं मौके पर सजा हेतु **मोबाइल अदालतों** की स्थापना.
चूँकि अपराधी से सम्बंधित उसके अपराध के तमाम पक्के सबूत (Conclusive evidences) उसके 'सिन' (Citizen Indentification Number) में दर्ज रहते हैं, अतः प्रत्येक शिकायत का निपटारा मात्र 5 मिनट के अंतर्गत ही संभव है तथापि 24 घंटे की सीमा अधिकतम रखी गयी है.

J. देश में प्रत्येक बेईमान नागरिक / व्यावसायिक संस्था पर **बेहतर प्रशासन और नियंत्रण** के लिए, टेक्नोलॉजी की देखरेख पीपीपी प्रणाली के तहत सरकारी कर-अधिकारियों, चार्टर्ड-एकाउंटेंटों, कर-अधिवक्ताओं, टीआरपी और प्रौद्योगिकी से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों के अन्य विशेषज्ञों द्वारा की जाएगी.

K. समयबद्ध कार्यक्रम के साथ 100% ईमानदारी, पारदर्शिता, दक्षता, क्षमता और जवाबदेही के साथ **पूरे देश / सरकार की संपूर्ण व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को नियंत्रित करने और देखने** के लिए विश्व स्तरीय सॉफ्टवेयर- ‘HWC?-SOFTWARE’.

L. इस तकनीक को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनाने और देश के लिए अधिक से अधिक लाभप्रद बनाने के लिए अनुसंधान और विकास विंग.

विशेष

1) टेक्नोलॉजी लागू होने पर, देश का कोई भी व्यक्ति कितने ही घोड़े दौड़ाले अर्थात कोई भी प्रयास करले, **न** तो कोई भी एक पैसे का **काला धन रख पायेगा**, **न** एक पैसे की भी **टैक्स की चोरी कर पायेगा** तथा **न** ही किसी भी आर्थिक **भ्रष्टाचार में सलग्न हो पायेगा.**

2) देश का सारा कालाधन एक वर्ष में ही सरकार की बुक्स में आजायेगा.

3) देश का कोई भी नागरिक यदि नकद-खरीद में काले धन का एक रूपये का भी इस्तेमाल करेगा, यह टेक्नोलॉजी उसे तुरंत पकड़ लेगी.

4) विश्व में आजतक कोई भी ऐसी टेक्नोलॉजी नहीं बनी जो किसी भी बेईमान नागरिक को ईमानदार बना सके, लेकिन यह ऐसा करने में सक्षम है.

5) देश के किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था के बारे में किसी भी प्रकार की कोई भी जानकारी मात्र पलक भर में ही प्राप्त होगी.

6) देश में जो बड़े-बड़े आर्थिक घोटाले होते है, उन्हें करना तो बहुत दूर की बात है, ऐसा करने के बारे में सोचने से ही लोगों की रूह कांपेगी.

7) देश में मुद्रास्फीति, मूल्यवृद्धि एवं देश के आतंकवाद आदि पर जो रोक लगेगी, वह अलग से.

8) टेक्नोलॉजी लागू होने पर, सरकार स्वयं ही समस्त प्रकार की टैक्स-दरों को एक एक-तिहाई से भी कम करने के लिए मजबूर हो जाएगी.

9) यह टेक्नोलॉजी देश की लगभग हर समस्या का समाधान है.

10) The Technology is Technically Feasible and Economically Viable.

11) देश एवं विश्व के तमाम एक्सपर्ट लोगो एवं विषेशज्ञों से हमारा नम्र निवेदन है वे इसे पूरी तरह से देखने, पढ़ने एवं समझने के उपरांत इस टेकनॉलोजी में किसी भी प्रकार की कोई भी कमी अथवा लूपहोल नहीं निकाल पायेंगे क्योंकि यह देश एवं दुनिया के लोगों के हित से सम्बंधित है तथा 100% लूपहोल फ्री (LOOPHOLE FREE) है.लेकिन फिर भी यदि कोई भी ऐसा करने में सक्षम है. वह कृपया करके आगे आकर हमें बतायें, 'कैसे ?' हम उनका दिल से स्वागत करेंगे.

यह तो मात्र ट्रेलर है पूरी पिक्चर तो 'HONEST WITH CIN?' में है.

J.P.GUPTA (INVENTOR & AUTHOR)

हम भारत और पूरी दुनियाँ को एक ऐसा सम्पन्न समाज देना चाहते हैं जो
काला धन , टैक्स चोरी, भ्रष्टाचार , बेईमानी आदि से पूर्णतया मुक्त हो जहाँ गरीबी,
भूखमरी, तंगहाली अथवा लाचारी आदि किसी भी नागरिक को छू भी न सके.
हमारी न्याय प्रणाली ऐसी हो जहाँ पर हर मुकदमें का निर्णय 50 वर्षों के बजाय
चंद दिनों में हो जो आज भी मुमकिन है.
HONEST WITH CIN?
सिन के साथ ईमानदार नागरिक कैसे बनें ?